हिन्दी दैनिक

नवशक्ति

RNI-BIHHIN/2012/43368

www.navshaktinews.in

navshakti news paper patna

वर्ष : 13, अंक : 348 | पटना, बुधवार, 12 फरवरी, 2025 | पृष्ठ, : 8 मूल्य : दो रुपये

संपादकीय

दलितों को लुभाने के लिए कांग्रेस का नया नारा जय बापू, जय भीम

जे पी चौधरी

कांग्रेस इन दिनों अपनी खोई हुई सियासी जमीन को दोबारा पाने के लिए जी-जान से जुटी हुई है। वर्षों से सत्ता के केंद्र में रही यह पार्टी, अब देश के हर हिस्से में अपने लिए जगह बनाने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में कांग्रेस ने ह्यजय बापू, जय भीम और जय संविधानह्ल नामक अभियान की शुरूआत की है। यह अभियान देशभर में कांग्रेस के लिए एक नई ऊर्जा का माध्यम बन रहा है, जिसका उद्देश्य दलित समाज के बीच अपनी पुरानी पहचान को फिर से स्थापित करना है।

इस अभियान के जरिए कांग्रेस ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं कि वह दलित समाज के दिल और दिमाग में एक बार फिर जगह बनाना चाहती है। आजादी के शुरूआती वर्षों में कांग्रेस दलितों के लिए सबसे बड़ा सियासी मंच हुआ करती थी, लेकिन अस्सी के दशक में बसपा के उदय के बाद यह समीकरण पूरी तरह बदल गया। उत्तर भारत के कई राज्यों में दलित वोट कांग्रेस से खिसककर बसपा की झोली में चले गए। वहीं, पिछले कुछ दशकों में बीजेपी ने भी दलितों के एक बड़े हिस्से को अपने साथ जोड़ने में सफलता हासिल की। 2024 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस ने आरक्षण और संविधान जैसे मुद्दों के जरिए दलित समाज के बीच नई उम्मीदें जगाई थीं, और अब वह इस विश्वास को और मजबूत करने के लिए मैदान में उतर आई है।

कांग्रेस का यह कदम बसपा की राजनीति से प्रेरित नजर आता है। जिस तरह से बसपा ने नीला झंडा, हाथी का निशान और ह्यजय भीम के नारों से अपनी पहचान बनाई थी, उसी राह पर अब कांग्रेस भी चलती दिख रही है। कांग्रेस नेता, जिनमें राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा शामिल हैं, नीला अंगवस्त्र धारण कर मंच साझा कर रहे हैं और डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीरें मंच की शोभा बढ़ा रही हैं। जय भीम का नारा, जो कभी बसपा की पहचान हुआ करता था, अब कांग्रेस की सभाओं में गूंज रहा है।डॉ. आंबेडकर की राजनीतिक और सामाजिक विरासत आज केवल दलितों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे भारत की राजनीति का केंद्र बन चुकी है। दलित समाज के लिए आंबेडकर एक प्रेरणा हैं, एक मसीहा हैं, और कांग्रेस इसे भलीभांति समझती है। यही वजह है कि आंबेडकर के नाम को लेकर कांग्रेस ने एक ठोस रणनीति बनाई है। बीजेपी नेता अमित शाह द्वारा आंबेडकर पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस ने इसे मुद्दा बनाकर बीजेपी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने इस मामले को लेकर न केवल बीजेपी पर निशाना साधा, बल्कि दलित समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी जाहिर की।कांग्रेस का यह अभियान केवल एक राजनीतिक योजना नहीं है, बल्कि एक विचारधारा को फिर से जीवित करने की कोशिश है। यह अभियान उन दलितों तक पहुंचने का प्रयास है, जो मायावती के नेतृत्व में बसपा से निराश होकर अब सपा या बीजेपी के साथ जुड़ गए हैं। कांग्रेस का मानना है कि बसपा की कमजोर होती पकड़ के बाद दलित वोटर्स स्थायी रूप से किसी एक पार्टी से नहीं जुड़े हैं। ऐसे में कांग्रेस के पास मौका है कि वह अपने पुराने कोर वोट बैंक को वापस हासिल कर सके।2024 के लोकसभा चुनावों ने कांग्रेस के इस विश्वास को और मजबूत किया है। इन चुनावों में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने दलित बहुल क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। बीजेपी, जिसने 2014 और 2019 में दलित वोटों पर बड़ा कब्जा जमाया था, इस बार कमजोर पड़ी। सीएसडीएस के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में बीजेपी को केवल 31% दलित वोट मिले, जो 2019 के मुकाबले 3% कम थे। वहीं, कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने दलित वोटों में बड़ा हिस्सा पाया। इन चुनावों में दलित बहुल 156 लोकसभा सीटों में से 93 सीटें विपक्षी गठबंधन के खाते में गईं देश में दलित समाज की जनसंख्या का महत्व किसी से छिपा नहीं है। 2011 की जनगणना के अनुसार, दलितों की आबादी 17% है, जो 20 करोड़ से ज्यादा है। 543 लोकसभा सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित हैं, लेकिन दलितों का सियासी प्रभाव 150 से अधिक सीटों पर देखा जाता है। ऐसे में दलित वोट किसी भी पार्टी के लिए सत्ता तक पहुंचने की कुंजी हो सकते हैं।यह साफ है कि कांग्रेस दलितों को लुभाने के लिए पूरी तरह से बसपा की शैली को अपना रही है। इसके तहत पार्टी ने डॉ. आंबेडकर को अपने एजेंडे का केंद्र बनाया है और उनके नाम पर दलित समाज से संवाद स्थापित करने का प्रयास कर रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि कांग्रेस का यह प्रयास कितना सफल होता है। लेकिन एक बात तय है, देश के बदलते सियासी परिदृश्य में दलित समाज के लिए कांग्रेस की यह कवायद एक नई सियासी दिशा तय कर सकती।

मुख्यमंत्री ने औरंगाबाद जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने की कई महत्वपूर्ण घोषणायें

पटना। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के क्रम में औरंगाबाद जिले में चल रही विकासात्मक योजनाओं के संबंध में समाहणालय स्थित योजना भवन सभागार में समीक्षात्मक बैठक की। समीक्षात्मक बैठक में औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने जिले में चल रही विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। जिलाधिकारी ने बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर घर नल का जल एवं उनका अनुरक्षण, हर घर तक पक्की गली-नाली, मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, हर खेत तक सिंचाई का पानी, कृषि फीडर का निर्माण, मुख्यमंत्री कृषि विद्युत कनेक्शन योजना, मुख्यमंत्री उद्यमी योजना, उच्चतर शिक्षा हेतु महिलाओं को प्रोत्साहन, स्वास्थ्य उपकेंद्र में टेलीमेडिसीन के माध्यम से चिकित्सा परामर्श, पशु चिकित्सा सेवाओं की डोर स्टेप डिलीवरी एवं पंचायत सरकार भवन के निर्माण की अद्यतन स्थिति के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। इसके अलावा हर पंचायत में 10+2 विद्यालय, ग्राम पंचायत/नगर पंचायत में खेल-कूद को बढ़ावा देने हेतु स्पोर्ट्स क्लब का गठन, प्रत्येक पंचायत में खेल का मैदान, मुख्यमंत्री ग्राम संपर्क योजना (अवशेष), मुख्यमंत्री ग्रामीण सेतु योजना, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों का गठन, राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, दाखिल खारिज / परिमार्जन / परिमार्जन प्लस एवं जल-जीवन-हरियाली के तहत जीर्णोद्धार कराए गए सार्वजनिक कुओं, पोखर तथा तालाबों की अद्यतन स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री को विस्तृत जानकारी दी। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष औरंगाबाद जिले के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्र की समस्याएं भी रखीं।

समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आप सभी का इस बैठक में अभिनंदन एवं स्वागत करता हूं। औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री ने जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति एवं अद्यतन स्थिति से हम सभी को अवगत कराया है, मैं उन्हें धन्यवाद देता हूं। हूं। यहां य उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी बातें रखी हैं। जिन्हें अधिकारियो ने नोट किया है। मैं यही चाहूंगा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा समस्याओं के संबंध में जो जानकारी यहां दी गई है, उस पर संबंधित विभाग आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। आज हमने औरंगाबाद जिले में कई जगहों पर जाकर विकास कार्यों को देखा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 24 नवंबर, 2005 को भाजपा के साथ मिलकर हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम करना शुरू किया, तब से निरंतर हमलोग बिहार को आगे बढ़ाने में लगे हैं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही हमें मुख्यमंत्री बनवाया। वर्ष 2005 से पहले बिहार की क्या स्थिति थी, आप सभी इससे अवगत हैं। शाम के बाद लोग अपने घरों से बाहर निकलने में डरते थे। हिन्दू-मुस्लिम के बीच प्रायः झगड़े होते थे, जिसे हमने खत्म कराया। अस्पतालों में इलाज का इंतजाम नहीं था, सड़कें जर्जर थीं। शिक्षा की हालत ठीक नहीं थी।

अस्पतालों में मरीजों को दवा नहीं मिलती थी। बिजली आपूर्ति की स्थिति दयनीय थी। देहाती इलाकों की बात तो छोड़ दीजिए, राजधानी पटना में भी प्रतिदिन अधिकतम 8 घंटे से अधिक बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाती थी। जब बिहार के लोगों ने हमलोगों को काम करने का मौका दिया, तब से बिहार की स्थिति बदली है। हर क्षेत्र में विकास के काम किए जा रहे हैं। हमलोग सभी पार्टी के जनप्रतिनिधियों की जरूरी मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करते हैं। किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं। जब हम सांसद थे तो सड़कों के अभाव में क्षेत्र में काफी पैदल ही चलना पड़ता था। जो भी सड़कें थी वो भी जर्जर थीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2006 से हमलोगों ने कब्रिस्तानों की घेराबंदी का काम शुरू कराया। अब तक 8 हजार से अधिक कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है, 1273 और कब्रिस्तानों को चिह्नित किया गया है, जिसमें से 746 कब्रिस्तानों की घेराबंदी करा दी गई है और शेष बचे कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई जा रही है। हमलोगों ने देखा कि मंदिरों से मूर्ति चोरी की घटनाएं हो रही हैं, इसे देखते हुए 60 वर्ष से अधिक पुराने मंदिरों की चहारदीवारी के निर्माण का निर्णय लिया गया ताकि मंदिरों में चोरी की घटनाएं न हो। हमलोगों ने कोई काम नहीं छोड़ा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में हमलोगों ने काफी कराया है। बड़ी संख्या में स्कूल भवनों का निर्माण कराया गया। नियोजित शिक्षकों को बड़े पैमाने पर बहाली की गई। वर्ष 2006 से सरकारी विद्यालयों में पढ़नेवाले बच्चों के लिए पोशाक योजना की शुरूआत की गई। वर्ष 2009 से लड़कियों के लिए साइकिल योजना शुरू की गई थी लेकिन जब लड़कों ने मांग शुरू की तो वर्ष 2010 से उनके लिए भी साइकिल योजना शुरू की गई। लड़कियों को जब साइकिल दी गई तो वे समय पर स्कूल जाने लगीं। इसके साथ ही लड़कियां शाम में अपने माता-पिता को बाजार भी ले जाती हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे बिहार में विकास का काम हमलोग करा रहे हैं। बिहार का कोई भी इलाका विकास से अछूता नहीं है। हमलोगों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पुल-पुलिया के निर्माण का काम बड़े पैमाने पर कराया है, जिसके कारण बिहार के किसी भी कोने से पहले 6 घंटे में लोग पटना पहुंचते थे, अब उसे घटाकर 5 घंटे किया गया है। इसके लिए हर प्रकार से काम किया जा रहा है। बड़ी संख्या में सरकारी शिक्षकों की बहाली की जा रही है। इसके साथ ही नियोजित शिक्षकों को परीक्षा के माध्यम से सरकारी मान्यता प्रदान की जा रही है। हमलोगों ने मदरसों को भी सरकारी मान्यता प्रदान की है और वहां पढ़ानेवाले शिक्षकों को सरकारी शिक्षक के अनुरूप वेतन दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी सुधार कराया गया है। वर्ष 2005 से पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक माह में सिर्फ 39 मरीज इलाज कराने आते थे। हमलोगों ने सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा एवं इलाज की सुविधा उपलब्ध कराई, जिसके कारण अब एक माह में औसतन 11 हजार से अधिक मरीज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज कराने पहुंच रहे हैं। पहले बिहार में सिर्फ 6 सरकारी मेडिकल कॉलेज थे, अब उनकी संख्या बढ़कर 12 हो गई है। बिहार का सबसे पुराना अस्पताल पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पी०एम०सी०एच०) को 5400 बेड की क्षमता का बनाया जा रहा है। इतने अधिक क्षमता का मेडिकल कॉलेज एंड हास्पिटल दुनिया में कहीं नहीं है। बाकी 5 पुराने मेडिकल कॉलेज एवं अस्पतालों का भी विस्तार कर 2500 बेड की क्षमता का अस्पताल बनाया जा रहा है। आई०जी० आई०एम०एस०, पटना का भी विस्तार कर उसे 3000 बेड की क्षमता का अस्पताल बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने वर्ष 2015 से सात निश्चय योजना के माध्यम से हर घर तक नल का जल, हर घर में शौचालय का निर्माण, हर घर तक पक्की गली नाली का निर्माण, हर टोले तक पक्की सड़क का निर्माण, हर घर तक बिजली का कनेक्शन जैसी मूलभूत सुविधाएं लोगों तक पहुंचा दी है।

18 फरवरी तक पूर्ण करें वेंडिंग जोन एवं मल्टी मॉडल हब का कार्य: महापौर

पटना। महापौर श्रीमती सीता साहू, उप महापौर एवं सशक्त स्थाई समिती के सदस्यों द्वारा पटना नगर निगम के डंपिंग यार्ड (रामाचक बैरिया), मल्टी मॉडल हब एवं कदमकुआं वेंडर जोन के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में महापौर द्वारा महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने और उनके सुचारू एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन की जांच की गई। इसके साथ ही सभी निर्माण कार्य में तेजी लाने एवं 18 फरवरी तक कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया गया।गौरतलब है कि रामाचक बैरिया स्थित डंपिंग यार्ड का विकास शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करेगा।

जबकि मल्टी मॉडल हब और वार्ड 38 में बन रहे वेंडर जोन के निर्माण से शहरी यातायात और वेंडरों के लिए सुविधाजनक व्यापारिक माहौल मिलेगा।शहर के विकास और नागरिकों की सुविधा हेतु चल रही इन परियोजनाओं के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान डॉ आशीष सिन्हा, डॉ इंद्रदीप चंद्रवंशी, मनोज कुमार उर्फ मुन्ना जयसवाल, विनोद कुमार, सशक्त स्थाई समिति के अन्य पार्षद एवं अपर नगर आयुक्त राजन सिन्हा मौजूद रहे।

जुमलों में उलझा केंद्रीय बजट, बिहार के साथ छलावा: कांग्रेस

पटना। बिहार के योजनाओं और जरूरतों के लिए केंद्रीय बजट से आवंटित राशि नाकाफी है जो केवल आंकड़ों के हेर फेर से चुनावी लाभ हेतु वाहवाही लूटने जैसा है, जिसका अध्ययन करने के बाद पता चलता है कि 2015 से ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणाओं के लब्बोलुआब में आम जनता को ठगने का काम कर रहे हैं। पिछले बजट में जहां 58,900 करोड़ रुपए आवंटन की घोषणा हुई थी जो अब तक राज्य को अप्राप्त हैं तो इस बजट में 59,900 करोड़ रुपए ही दिए गए हैं। 100 करोड़ की मामूली वृद्धि से बिहार में फिर से वोट बटोरने का भाजपाई स्टंट शुरू हो गया है। ये बातें बिहार कांग्रेस के मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ और रिसर्च विभाग के चेयरमैन सह प्रवक्ता आनंद माधव ने संयुक्त रूप से कही।

संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने कहा कि केंद्रीय बजट में बिहार को आर्थिक अंशदान देने का खूब दिखावा हुआ लेकिन असल में मामला उल्टा रहा। केवल 100 करोड़ रुपए का बजट बढ़ाकर दिया गया जबकि केंद्रीय बजट में बिहार की टैक्स की हिस्सेदारी से भी कम रही। केंद्र सरकार मखाना बोर्ड के गठन से वाहवाही ले रही है जबकि केला और लीची बोर्ड का गठन करने पर मौन साध लेती है। केंद्रीय बजट में ही रेलवे बजट को भी समायोजित कर लिया गया है जिसके कारण 12 रेल परियोजनाओं का काम या तो शुरू नहीं हुआ या अधूरा पड़ा है। राज्य की नीतीश सरकार की उदासीनता के कारण हर साल हजारों करोड़ रुपए केंद्रीय बजट का वापस लौट रहा है तो डबल इंजन का दावा करने वाले ये लोग बताएं कि बिहार को बीमारू राज्य क्यों बनाने पर तुले हैं।

कृषि योजनाओं पर बोलते हुए कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि बिहार में किसानों के लिए उचित बाजार तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। 2019 में मेट्रो परियोजना अन्य तीन राज्यों में पूरी फुर्ती से काम किया लेकिन पटना मेट्रो अब तक अधूरा है।

विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने को लेकर एनडीए एकजुटता के साथ तैयार हैं : अरविंद निषाद

खगड़िया। एनडीए के कार्यकर्ता ही हमारी असली ताकत है। एनडीए के कार्यकर्ता पूरी ताकत और चट्टानी एकता के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने को लेकर पूरी मुस्तैदी के साथ तैयार हैं। चुकि विपक्षी द्वारा यह भ्रम फैलाया जा रहा था कि एनडीए में आपसी फूट है। लेकिन हर जिले में आयोजित हो रहे एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन हमारी एकजूटता का जीवंत उदाहरण है। उक्त बातें मंगलवार को जिला अतिथि गृह के सभाकक्ष में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जदयू के प्रदेश प्रवक्ता अरविंद निषाद ने कही। उन्होंने कहा कि एनडीए सिर्फ नीतियों और विचारधाराओं पर आधारित गठबंधन नहीं है, बल्कि जनता की सेवा के प्रति समर्पित एक मजबूत परिवार है। उन्होंने बिहार वासियों को विश्वास दिलाते हुए कहा कि एनडीए का लक्ष्य हर जिले और हर गांव को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का है।

उन्होंने एनडीए सरकार की उपलब्धियां को भी बेखूबी गिनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सब का साथ सबका विकास सबका विश्वास और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के सात निश्चय के विजन और न्याय के साथ विकास ने बिहार को एक नई दिशा प्रदान की है। नीतीश कुमार का निश्चय और मोदी है तो मुमकिन है के साथ बिहार आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है और पूरे देश में एक आदर्श राज्य के रूप में बिहार काफी तेजी से उभर रहा है।जदयू प्रवक्ता ने कहा कि पद्मभूषण श्रद्धैय रामविलास पासवान जी के गृह जिला में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके सपनेका खगड़िया बनाने के लिए विकासात्मक कार्यों को सरजमीं पर अमली जामा पहनाया।आज यही कारण है खगड़िया प्रगति की ओर काफी तेजी से आगे बढ़ रहा है। कोसी मिचेलिन जो पूरे उत्तर बिहार बाढ़ से प्रभावित होते रहा है, इसे बाढ़ से निजात के लिए टेक्निकल सेल का भी गठन किया जा चुका है। पूरे बिहार में सुशासन दिया और अपराध पर काफी नियंत्रण हुआ है। कोई अपराध करता है तो उसपर त्वरित कार्रवाई होती है। सरकार न किसी को फंसाती है और ना ही किसी को बचाती है। उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी बिहार में महिलाओं को आत्मनिर्भरता के लिए जीविका कार्यक्रम चलाएं तो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी आजीविका चलाएं। प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जीविका दीदियों से फीडबैक लेकर महिलाओं की तरक्की के बारे में भी जानकारी लिए। आज महिला काफी आगे बढ़ चुकी है। श्री निषाद ने एनडीए के तमाम कार्यकताओं को आपसी सामंजस्यता कायम रखते हुए 15 फरवरी को आयोजित होने वाले एनडीए का कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने में जूट जाने का आह्वान किया। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता डॉ सुहेली मेहता ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के न्याय के साथ विकास का विजन से बिहार को विकासात्मक ऊर्जा मिला है।

जन सुराज पार्टी से विधानसभा उम्मीदवार होने के लिए तीन स्तर पर होगा आवेदकों मूल्यांकन

◆चुनाव समिति ने बताया – 11 मार्च तक चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक लोग कर सकते हैं आवेदन

पटना। आज जन सुराज पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आगामी विधानसभा चुनाव- 2025 के लिए जन सुराज पार्टी से उम्मीदवारी के लिए आवेदकों की चयन प्रक्रिया और मूल्यांकन के मापदंडों को प्रेस के साथ साझा किया।

केंद्रीय चुनाव समिति के संयोजक आर. एन सिंह ने बताया कि आवेदकों का मूल्यांकन तीन स्तरों पर किया जाएगा जिसमें पार्टी द्वारा मूल्यांकन के 10 मापदंड तय किए गए हैं। पहले स्तर पर हर विधानसभा में जन सुराज से जुड़े स्थानीय लोग, पदाधिकारी और विधानसभा प्रभारी समिति मूल्यांकन करेगी। दूसरे स्तर पर जिला संगठन और अनुमंडल पदाधिकारी निर्धारित मापदंडों पर मूल्यांकन करेंगे। तीसरे स्तर पर 11 सदस्यीय केंद्रीय चुनाव समिति जिला समिति द्वारा दी गई अनुशंसा का मूल्यांकन कर अपनी अनुशंसा पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को सौंपेगी।

प्रेस वार्ता में चुनाव समिति संयोजक के साथ चुनाव समिति सदस्य सरवर अली, डॉ. भूपेंद्र यादव, जितेंद्र मिश्रा, विनोद चौधरी, सुरेश शर्मा और रामप्रकाश सहनी भी मौजूद थे।

नोट- केंद्रीय चुनाव समिति की अनुशंसा में किसी भी प्रकार का संशोधन करने का अधिकार केवल राज्य की कोर समिति को होगा।

यदि किसी समिति के किसी भी चरण का सदस्य स्वयं आवेदक हो, तो उसे अपने जिले की किसी भी समीक्षा बैठक में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

मुख्य सचिव ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

जमुई, नवशक्ति , प्रभाकर कुमार। बिहार में विकासात्मक कार्यों में तीव्र गति लाने के हेतु मुख्य सचिव, बिहार श्री अमृत लाल मीणा के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षात्मक बैठक आहूत की गयी। इस दौरान मुख्य सचिव ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा के साथ साथ कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जिला पदाधिकारी,श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निदेशानुसार सभी संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी महोदया के कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक में भाग लिया।

मुख्य सचिव ने आपदा प्रबंधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग,समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग, श्रम विभाग तथा अल्पसंख्यक कल्याण विभाग आदि के आकड़ो से रूबरू हुए और कार्यों में तीव्र गति लाने हेतु संबंधित विभागीय पदाधिकारी को आवश्यक निदेश दिया। उन्होंने मौजूद विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर देय दायित्वों का निर्वहन किए जाने का निदेश दिया । उन्होंने सभी विभागीय पदाधिकारियों को विभागीय समन्वय बनाकर कार्य करने का निर्देश देते हुए कहा कि आपसी समन्वय बनाकर निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरी निष्ठा के साथ कार्य करें और प्रदेश के बदलाव में अहम भूमिका निभाएं।जिला पदाधिकारी महोदया ने मौके पर सरकार के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर गति दिए जाने का निर्देश सभी सम्बन्धित पदाधिकारी को देते हुए कहा कि किसी भी सूरत मे अनियमितता बर्दाश्त नही किया जायेगा।उक्त वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में उप विकास आयुक्त जमुई, डीपीएम, स्वास्थ्य विभाग, जिला कल्याण पदाधिकारी जमुई पदाधिकारी समेत सभी सम्बंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मियों का आन्दोलन दूसरे दिन भी जारी : फैक्टनेब

आपकी संघर्ष आपको वेतन दिलायेगा : डॉ अरुण

पटना। संबद्ध डिग्री महाविद्यालय में कार्यरत शिक्षाकर्मियों को परीक्षा परिणाम आधारित अनुदान राशि के बदले वेतन- संरचना निर्धारित कर प्रतिमाह वेतन भुगतान करने, बकाया अनुदान राशि शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों के खाते में एकमुश्त भुगतान करने आदि 4 सूत्री मांगों को लेकर संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मियों का धरना प्रदर्शन आज दूसरा दिन जारी रहा।

बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) के आह्वान पर 10 फरवरी से 14 फरवरी तक आहूत धरना प्रदर्शन में आज वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा और ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय दरभंगा के सैकड़ों शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों रोषपूर्ण प्रदर्शन किया एवं धरना पर बैठे। धरनार्थियों को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव प्रो (डॉ) अरुण कुमार ने संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षाकर्मियों के मांग और आन्दोलन का समर्थन किया और कहा कि आपकी लगातार चल रही आन्दोलन आपको वेतन निश्चित रूप से दिलायेंगी।

आज के धरना प्रदर्शन का नेतृत्व बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा के डॉ राजनाथ सिंह व डॉ हरेन्द्र सिंह, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के प्रो नसीम रेजा खान व प्रो शंभु नाथ ठाकुर ने संयुक्त रूप से किया। जबकि संचालन महासंघ के राज्य सचिव डॉ रविन्द्र कुमार ने किया।

फैक्टनेब के मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम ने बताया कि परीक्षा परिणाम आधारित अनुदान राशि के बदले प्रतिमाह वेतन भुगतान की मांग को लेकर संबद्ध डिग्री महाविद्यालय के शिक्षाकर्मियों का आन्दोलन चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा। 12 फरवरी को बी एन मंडल विश्वविद्यालय मधेपुरा व पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया ,13 फरवरी को बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर एवं जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा तथा 14 फरवरी को मगध विश्वविद्यालय बोधगया एवं तिलका मांझी विश्वविद्यालय भागलपुर के शिक्षाकर्मी धरना प्रदर्शन करेंगे। आज धरना स्थल पर हुई सभा को महासंघ के अध्यक्ष डॉ शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा, महासचिव प्रो राजीव रंजन ,मीडिया प्रभारी प्रो अरुण गौतम , प्रो नसीम रेजा खान, डॉ रविन्द्र कुमार, प्रो श्रवण कुमार, डॉ पितृ कुमार , डॉ सुमन्त कुमार सिन्हा, प्रो कामेश्वर महतो, प्रो रामायण सिंह, डॉ शंभुनाथ ठाकुर, प्रो इंदल सिंह, प्रो विपिन कुमार, प्रो देवाशीष परमानन्द, प्रो पुष्पा कुमारी, प्रो पुष्पलता कुमारी, प्रो शशि कुमारी डॉ हरी राय, प्रो अखिलेश मंडल, प्रो महातीम प्रसाद, डॉ सुभाष कुमार, डॉ अरविन्द कुमार, डॉ करमान्नद प्रसाद, डॉ सुभाष चन्द्रा आदि ने संबोधित किया।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसपोर्ट नगर का होगा कायापलट, सड़क निर्माण के लिए 12.18 करोड़ की राशि की गयी स्वीकृत: नितिन नवीन

पटना। बिहार के नगर विकास एवं आवास मंत्री माननीय श्री नितिन नवीन जी द्वारा मंगलवार को राजधानी पटना के कंकड़बाग स्थित ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में 1.7 किलोमीटर लंबे सड़क निर्माण के लिए 12.18 करोड़ की राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गयी। इस संबंध में माननीय मंत्री जी ने कहा कि इस राशि की मदद से ट्रांसपोर्ट नगर में सड़कों के जीर्णोद्धार का काम किया जायेगा, जिससे करीब लाखों की आबादी को आवागमन में काफी सुविधा होगी। माननीय मंत्री जी ने कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर की स्थापना 90 के दशक में हुई थी, जो अब पटना के बेहद ही व्यस्ततम इलाकों में से एक है। यहां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों से वाहन व लोग माल ढुलाई के क्रम मे आते जाते हैं। लगातार ट्रकों और बसों के परिवहन के कारण यहां की सड़कें खराब हो गयी थी। इसके निर्माण के लिए नगर निगम की तरफ से राशि उपलब्ध कराने का अनुमोदन भेजा गया था। साथ ही बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स और बिहार इंडस्ट्री एसोसिएशन की तरफ से भी इस विषय को सज्ञान में डाला गया था। जिसके बाद विभाग की ओर से 12.18 करोड़ की राशि प्रदान करने पर स्वाकृति दी गयी है। आगे माननीय मंत्री जी ने कहा कि ठऊअ सरकार में बिहार के हर कोने में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। इसी क्रम में ट्रांसपोर्ट नगर में भी पीसीसी सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। इस सड़के के निर्माण बाद स्थानीय लोगों को बरसात में होने वाली समस्याओं से निजात मिलेगी। साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था भी सुचारू रूप से चल सकेगी।

बीसीए द्वारा अंपायर कोर्स सेमिनार का आयोजन, BCCI के अंपायर दे रहे हैं प्रशिक्षण, घरेलू अंपायरों का बढ़ेगा कौशल

पटना। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन (बीसीए) द्वारा मोईन उल हक स्टेडियम में आयोजित बीसीए अंपायर कोर्स सेमिनार का आज शुभारंभ किया गया। यह सेमिनार तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिभागियों को क्रिकेट अंपायरिंग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा एवं तकनिकी तौर पर प्रशिक्षित किया जाएगा। सेमिनार के लिए बीसीसीआई पैनल के सीनियर अंपायर श्री रविशंकर जी को आमंत्रित किया गया था। उन्होंने बीसीए के अधिकारियों और विशेषज्ञ अंपायरों के साथ मिलकर प्रतिभागियों को क्रिकेट के नियमों एवं अंपायरिंग की मूल बातों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। यह सेमिनार वीडियो प्रजेंटेशन और प्रैक्टिकल सेशन के माध्यम से दिया जा रहा है, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक मैचों में आने वाली जटिलताओं से निपटने की तैयारी में सहायता मिलेगी। इस सेमिनार में लगभग 100 से ज्यदा लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें इउअ पैनल के अंपायर और जिला संघ इकाई के द्वारा भेजे गए अंपायर शामिल हैं। सेमिनार के अंतिम दिन प्रतिभागियों के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी। परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले प्रतिभागियों को बीसीए के घरेलू मैचों में अंपायरिंग के योग्य घोषित किया जाएगा, तथा उन्हें घरेलू मैचों में अंपायरिंग करने का अवसर इउअ की तरफ से प्रदान किया जाएगा। बीसीए के अध्यक्ष श्री राकेश तिवारी ने कहा, हमें बीसीए अंपायर कोर्स सेमिनार का आयोजन करने पर गर्व है। हमारा उद्देश्य न केवल स्थानीय अंपायरिंग स्तर को सुधारना है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अंपायरों का चयन और प्रशिक्षण करना भी है। यह सेमिनार आगामी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मैचों में निष्पक्ष निर्णय लेने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा तथा हमारे घरेलू मैचों का स्तर बीसीसीआई के डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल मैचों के अनुरूप होगा, जिससे खिलाड़ियों और एसोसिएशन दोनों को लाभ मिलेगा। श्री तिवारी ने आगे कहा, हम आने वाले दिनों में नियमित रूप से अंपायरिंग वर्कशॉप एवं सेमिनार के साथ-साथ स्कोरिंग, पिच क्यूरेटर एवं अन्य तकनीकी कोर्स आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।

पूर्व विधान पार्षद डॉ सुनील सिंह को सरकार के इशारे पर परेशान किया जा रहा है: एजाज अहमद

पटना। बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार के इशारे पर पूर्व विधान पार्षद सह बिस्कोमान के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार सिंह को लगातार परेशान किया जा रहा है और उनके साथ दौहरा पैमाना अपनाया जा रहा है । जहां सतारूढ़ दल के लोगों को नियमों का उल्लंघन करके आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं वहीं विपक्ष के पूर्व विधान पार्षद डॉ सुनील सिंह के आवास को जबरन बिहार सरकार के द्वारा खाली कराया जा रहा है । यह किस तरह से सरकार का न्याय है।

इन्होंने आगे कहा कि डॉ सुनील सिंह के विधान परिषद सदस्यता के संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने सुनवाई के बाद सदस्यता के मामले पर फैसला को सुरक्षित रख हुआ है। वही उनके आवास को माननीय पटना उच्च न्यायालय के द्वारा खाली कराने पर रोक लगा रखा गया था, लेकिन जब समय सीमा समाप्त हो रहा था, उससे पहले ही इस मामले पर सुनवाई से पहले ही अहले सुबह सवेरे सरकार ने पुलिस के बल पर जबरिया उनके सामानों को क्वार्टर से बाहर फिंकवा दिया और आवास को उनकी अनुपस्थिति में खाली करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

राज सरकार का यह रवैया बदले की भावना के तहत किया जा रहा है यह स्पष्ट रूप से दिख रहा है । आखिर सरकार डॉक्टर सुनील सिंह से इतना डर क्यों रही है जबकि इससे पूर्व बिस्कोमान निदेशक के चुनाव में लगातार परेशान किया गया ,लेकिन दोबारा गिनती के बाद भी जब डॉ सुनील सिंह के पैनल को बहुमत मिल गया तब भी केंद्र और राज्य सरकार ने अध्यक्ष के चुनाव की तिथि घोषित नहीं की । इस तरह से सरकार जब वोट से जीत नहीं पाई तो

अब नए-नए तरीके अपना कर अध्यक्ष का चुनाव नहीं करा रही है, जबकि निदेशक के चुनाव का परिणाम 24 जनवरी को ही घोषित हो चुका है।

एजाज ने आगे कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा विधान परिषद के परिणाम को रोके जाने और फैसले को सुरक्षित रखे जाने के बाद सरकार पूरी तरह से बेचैनी और घबराहट में है और दूसरी ओर बिस्कोमान के निदेशक मंडल में डा सुनील सिंह के पैनल को बहुमत मिलने के बाद सरकार को लग रहा है कि उनके अनुसार अध्यक्ष नहीं होगा और उनकी भद पिट सकती है तो अब सरकार के स्तर से उनकी अनुपस्थिति में क्वार्टर के सामानों को फेंकवा दिया गया और उन्हें जबरिया आवास से सामान निकालने का कार्य किया जा रहा है यह सरासर अन्याय और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। जबकि बिहार सरकार की कृपा प्राप्त सतारूढ़ दल के बहुत सारे नेता सरकारी क्वार्टर में रह रहे हैं और उन पर सरकार की कोई टेढ़ी निगाह नहीं होती है और ना ही भवन निर्माण विभाग का इस पर कोई निगाह है। इस तरह के मामलों से यह स्पष्ट होता है कि बिहार में सरकार के स्तर से सतारूढ़ दल के लिए नजरे इनायत और विपक्ष के लिए दूसरा कानून है और के सामानों को जबरिया बाहर कर दिया जाता है।

जे0पी0 गंगा पथ दीघा से दीदारगंज तक मार्च, 2025 में पूर्ण करने का लक्ष्य: विजय सिन्हा

पटना। पटना शहर में गंगा नदी के दक्षिणी तट पर जे0पी0 गंगा पथ की आधारशिला लोक नायक जय प्रकाश नारायण जी के जन्म दिवस के अवसर पर 11.10.2013 को रखी गयी थी। जे0पी0 गंगा पथ के दीघा से कंगन घाट तक पूर्ण हो जाने से पटना के पूर्वी तथा पश्चिमी भाग के बीच आवागमन में सुगमता आयी है। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि जे0पी0 गंगा पथ का दीघा में जे0पी0 सेतु तथा गायघाट में महात्मा गाँधी सेतु से सम्पर्क स्थापित हो जाने से उत्तर बिहार से दक्षिण बिहार के बीच आवागमन सुगम हो गया है। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि कंगन घाट तक सम्पर्कता बहाल हो जाने से पटना शहर में जाम की समस्या में कमी आयी है। अटल पथ के माध्यम से कंगन घाट तक आने-जाने में काफी सहुलियत हो रही है। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि जे0पी0 गंगा पथ के दीघा से कंगन घाट से आगे के पथांश में काफी तेजी से कार्य हो रहा है एवं इसे अगले माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य है जिससे इसका राष्ट्रीय उच्च पथ सं0-30 से सम्पर्कता हो जाएगी। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि जे0पी0 गंगा पथ का राष्ट्रीय उच्च पथ सं0 30 से सम्पर्कता स्थापित हो जाने से पटना शहर में एक छोर से दूसरे छोर तक निर्बाध एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित हो जाएगा। उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री ने कहा कि जे0पी0 गंगा पथ के दोनों ओर हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा जिससे पटना शहर के पर्यावरण में भी सुधार होगा।

राज्य स्तरीय किसान महापंचायत का किया आयोजन

मसौढ़ी(पटना)। संयुक्त किसान मोर्चा, बिहार के तत्वावधान में शहीद तिलका मांझी की 275 वीं जयंती पर आज 11 फरवरी, 2025 को डी एन कॉलेज,मसौढ़ी(पटना) के मैदान में राज्य स्तरीय किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। यह किसान महापंचायत जबरन किये जा रहे भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आयोजित किया गया था। इसके अलावा हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा लाए गए कृषि विपणन नीति और बिहार में चल रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण का सवाल भी किसान महापंचायत में जोरदार ढंग से उठाया गया।

मसौढ़ी के डीएनए कॉलेज मैदान में हजारों की तादाद में संयुक्त किसान मोर्चा से जुड़े किसान संगठनों के कार्यकर्ता लाल, हरा, पीला झंडा-बैनर लिए पूरे जोश खरोश के साथ किसान महापंचायत की कार्रवाई में भाग ले रहे थे। किसान आन्दोलन की न्यायपूर्ण गगनभेदी नारों से वातावरण गुंजायमान हो रहा था।जबरन कृषि भूमि अधिग्रहण बंद करो! कृषि भूमि अधिग्रहण में 2013 के कानून के मुताबिक मुआवजा दो !बेहद खतरनाक, किसान विरोधी एवं कॉरपोरेट पक्षी ₹कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति (एनपीएफ एएम)₹ को वापस लो ! बड़ी पूंजी और कॉरपोरेटों के पक्ष में आनन-फानन में बिहार में चलाये जा रहे विशेष भूमि सर्वेक्षण पर रोक लगाओ ! शुरूआत में किसान एकता मंच के नेता उमेश शर्मा ने सभी प्रतिनिधियों एवं आगत अतिथियों का स्वागत किया और किसान महापंचायत के संचालन के लिए 7 सदस्यीय अध्यक्ष मंडल का प्रस्ताव किया। अध्यक्ष मंडल में अखिल भारतीय किसान महासभा के राज्य सचिव उमेश सिंह, बिहार राज्य किसान सभा(जमाल रोड) के महासचिव विनोद कुमार , बिहार राज्य किसान सभा(अजय भवन) के राज्य संयोजक रामचन्द्र महतो, अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा (बिहार) के नेता नन्द किशोर सिंह, अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के राज्य अध्यक्ष रामवृक्ष राम , ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य सह सचिव इन्द्र देव राय तथा भारतीय किसान मजदूर विकास संगठन के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह शामिल थे। संयुक्त किसान मोर्चा की बिहार इकाई द्वारा आयोजित इस किसान महापंचायत को सम्बोधित करने वाले राष्ट्रीय नेताओं में कॉ. रुलदु सिंह मानसा,राष्ट्रीय अध्यक्ष,अखिल भारतीय किसान महासभा ;कॉ. राजन क्षीरसागर,राष्ट्रीय अध्यक्ष,अखिल भारतीय किसान सभा(अजय भवन) ; कॉ. पी कृष्णा प्रसाद, राष्ट्रीय सचिव(कोषाध्यक्ष); अखिल भारतीय किसान सभा (कैनिंग लेन); कॉ. सत्यवान, राष्ट्रीय अध्यक्ष, ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ; कॉ. राजिंदर सिंह दीप सिंह वाला,महासचिव, कीर्ति किसान यूनियन,पंजाब(अ.भा.किसान मजदूर सभा से सम्बद्ध) , कॉ. डॉक्टर दर्शन पाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, क्रांतिकारी किसान यूनियन के नाम उल्लेखनीय हैं। किसान महापंचायत को संयुक्त किसान मोर्चा की बिहार इकाई से जुड़े लगभग सभी घटक संगठनों के पक्ष प्रतिनिधियों ने सम्बोधित किया। सभा को सम्बोधित करने वाले प्रमुख नेताओं में बिहार राज्य किसान सभा (अजय भवन) के राज्य सह संयोजक सीताराम शर्मा ,अखिल भारतीय किसान महासभा के राज्य सह सचिव रामबली सिंह यादव , अखिल भारतीय किसान सभा (केनिंग लेन) के उपाध्यक्ष अवधेश कुमार ,अखिल भारतीय खेत मजदूर किसान सभा के प्रांतीय सचिव अशोक बैठा ,ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के राज्य अध्यक्ष लाल बाबू महतो,अखिल भारतीय किसान मजदूर सभा के राज्य कमिटी सदस्य रूदल रामजय किसान आन्दोलन के नेता ऋषि आनन्द, भारत माला सड़क परियोजना प्रभावित किसान मोर्चा के देव कुमार सिंह , भारतीय किसान मजदूर विकास संगठन के महासचिव जनकदेव सिंह , प्रभावित किसान खेतिहर मजदूर मोर्चा (बक्सर) के रामप्रवेश यादव, नौजवान मजदूर किसान मोर्चा के अध्यक्ष कल्लू सिंह, क्रांतिकारी किसान यूनियन के उपाध्यक्ष मनोज कुमार, उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा (मगध) के अध्यक्ष नन्द लाल सिंह ,ऑल इंडिया किसान फेडरेशन के राज्य सचिव विनोद झा , जल्ला किसान संघर्ष समिति (पटना) के सचिव शंभुनाथ मेहता, प्रगतिशील किसान संघ के अध्यक्ष रामचन्द्र आजाद, राम जानकी पथ प्रभावित किसान मोर्चा संयोजक जयनाथ यादव के नाम उल्लेखनीय हैं। संयुक्त किसान मोर्चा की बिहार इकाई द्वारा आयोजित इस किसान महापंचायत में अध्यक्ष मंडल की ओर से किसान आन्दोलन से सम्बन्धित कुछ प्रस्ताव पेश किया गया जिसे तालियों की गड़गड़ाहट के बीच सभा ने पारित किया।1. यह किसान महापंचायत भाजपानीत केन्द्र व राज्य सरकारों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के कॉरपोरेट अधिग्रहण और कॉरपोरेट संचालित परियोजनाओं के लिए किसानों तथा आदिवासियों को उनकी जमीन से बेदखल करने के खिलाफ और भूमि अधिग्रहण पुनर्वास व पुनर्स्थापन अधिनियम 2013 के कार्यान्वयन की मांग को लेकर लगातार संघर्ष चलाने का एलान करती है।2. यह किसान महापंचायत बिहार में तेजी से जारी सरकारी-गैरसरकारी विकास योजनाओं के नाम पर कृषि भूमि की लूट व बबार्दी की घोर निंदा करती है और बिना अधिसूचना, बिना नोटिस, बिना मुआवजा दिये कृषि भूमि के अधिग्रहण पर अविलम्ब रोक लगाने की मांग करती है। साथ ही कृषि भूमि अधिग्रहण करने में 2013 के कानून के मुताबिक 80% किसानों की सहमति और वर्तमान बाजार भाव से चार गुणा अधिक मुआवजा देने की मांग करती है।3. यह किसान महापंचायत केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा चोर दरवाजे से तीनों काले कृषि कानूनों से भी ज्यादा खतरनाक किसान विरोधी एवं कॉरपोरेट पक्षी कृषि विपणन पर राष्ट्रीय नीति (एनपीएफएएम) का प्रस्ताव राज्यों को भेजने का घोर विरोध करती है और साथ ही राज्य सरकार से मांग करती है।

राजगीर में दो दिवसीय कुर्मी समागमः समाज की एकजुटता और राजनीतिक भागीदारी पर जोर

संजय कुमार

बिहारशरीफ (नवशक्ति)। अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में दो दिवसीय कुर्मी समागम सह चेतना शिविर का आयोजन राजगीर के आरआईसीसी परिसर में किया गया। इस आयोजन में देशभर के 15 से अधिक राज्यों और नेपाल से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिविर में कुर्मी समाज की एकजुटता, सामाजिक सुधार और राजनीतिक भागीदारी को लेकर गहन मंथन हुआ।

कुर्मी समाज की जनसंख्या और राजनीतिक भागीदारी पर विमर्श कार्यक्रम का शुभारंभ पटेल चौक पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर सामूहिक माल्यार्पण के साथ हुआ। उद्घाटन सत्र में अखिल भारतीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, सेवानिवृत्त आईएएस डॉ. विजय कुमार निरंजन ने कहा कि देश में कुर्मी समाज की आबादी 35 करोड़ से अधिक है, जो कुल जनसंख्या का लगभग 25% है। बावजूद इसके, समाज को राजनीतिक भागीदारी और अधिकारों के लिए संगठित प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कुर्मी समाज की 1488 उपजातियों को एक मंच पर लाने से समुदाय का पुराना गौरव वापस लाया जा सकता है।

महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनुभाई पटेल ने कुर्मी समाज के इतिहास और गौरवशाली परंपरा को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज के कई राजा-महाराजा रहे हैं, लेकिन आज राजनीतिक प्रतिनिधित्व अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने और उपजातियों को एक सूत्र में पिरोने पर विशेष बल दिया।

सामाजिक सुधार और समरसता पर जोर महासभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आर. एन. राय ने कहा कि देशभर में कुर्मी समाज के 101 लोकसभा सांसद, 15 राज्यसभा सदस्य और 6 मुख्यमंत्री हैं, लेकिन उन्हें अपनी ताकत को और प्रभावी रूप से दिखाने की जरूरत है।

महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष लता ऋषि चंद्राकर ने कहा कि समाज को संगठन, शक्ति, एकता, विश्वास और चरित्र के पांच सामाजिक सूत्रों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को भी संगठन में अधिक भागीदारी देने की अपील की और कहा कि 21वीं सदी महिलाओं की सदी है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सी. एल. गंगवार ने बताया कि महासभा द्वारा 8 राज्यों में 1600 सामूहिक विवाह बिना दहेज के संपन्न कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कुर्मी समाज की सबसे अधिक 50% आबादी है, गुजरात में 30% और बिहार में 22% है।प्रज्ञा भारती पटेल ने नालंदा को सत्ता का ऐतिहासिक केंद्र बताते हुए कहा कि यह अतीत में भी सत्ता का केंद्र था और आज भी अपनी विशेष राजनीतिक स्थिति रखता है।

रीवा (मध्य प्रदेश) से आए रामानुज पटेल ने कहा कि नालंदा विश्व की प्राचीन नगरी है और इसकी पहचान अयोध्या से भी पुरानी है। उन्होंने बिहार, उत्तर प्रदेश और नेपाल को कुर्मी आबादी का केंद्र बताते हुए कहा कि भाषा के आदान-प्रदान से समाज को अधिक मजबूती दी जा सकती है। उन्होंने सुझाव दिया कि बिहार के लोग गुजराती, मराठी, तमिल, कन्नड़ और उड़िया सीखें और अन्य राज्यों के लोग हिंदी सीखें, इससे कुर्मी समाज अधिक संगठित होगा।संगठन की मजबूती और भविष्य की रणनीति कार्यक्रम के आयोजक अनिल कुमार ने कहा कि कुर्मी समाज को संख्या के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर कोई अन्य जाति इसके समानांतर नहीं है। उन्होंने कहा कि समाज में नैतिक मूल्यों (ट्ठ्र'श्'ॅ्र) की प्रधानता है और इसे बनाए रखना आवश्यक है।राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक डॉ. घनश्याम प्रसाद ने कहा कि सरदार पटेल की नीतियों पर चलकर ही समाज को एकजुट किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महासभा को सामूहिक विवाह, सामाजिक समरसता और आर्थिक सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।कार्यक्रम की अध्यक्षता अवधेन्द्र कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर झारखंड कुर्मी महासभा अध्यक्ष कामेश्वर महतो, चक्रपाणि रेजिडेंशियल स्कूल के निदेशक डॉ. विश्वेंद्र कुमार सिन्हा, डॉ. गोपाल शरण सिंह, पर्यावरणविद मेहता नागेंद्र, बाबू भाई पटेल, डॉ. ओमप्रकाश, संजुक्ता पटेल, रामप्रवेश वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस शिविर के माध्यम से कुर्मी समाज को एकजुट करने, राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाने, दहेज प्रथा समाप्त करने, शिक्षा और आर्थिक विकास को प्राथमिकता देने का संदेश दिया गया।

नालंदा में विषाणु मुक्त आलू बीज उत्पादन पर किसानों को प्रशिक्षण

विजय प्रकाश उर्फ पिंनु/नूरसराय(नालंदा)(नवशक्ति)। जलवायु अनुकूल कृषि कार्यक्रम के तहत मंगलवार को यमुनापुर गांव में विषाणु मुक्त आलू बीज उत्पादन तकनीक विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यक्रम प्रगतिशील किसान धर्मेंद्र कुमार और जतन कुमार के प्रक्षेत्र में आयोजित हुआ, जो नालंदा उद्यान महाविद्यालय के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में उन्नत किस्मों के आलू बीज का उत्पादन कर रहे हैं।

कार्यक्रम में यमुनापुर, कैडी, मेयार, डोईया, पथरौरा, नारी सहित आसपास के गांवों के आलू उत्पादक किसानों ने भाग लिया। इस दौरान कुफरी पुखराज, कुफरी लीमा, कुफरी चिप्सोना वन, कुफरी नीलकंठ, कुफरी उदय, कुफरी थार और बड़ी आलू जैसी विभिन्न उन्नत किस्मों का निरीक्षण किया गया। किसान धर्मेंद्र कुमार और जतन कुमार ने बताया कि उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 450 क्विंटल आलू बीज का उत्पादन किया था। प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार सिंह ने कुफरी नीलकंठ प्रजाति के आलू के बारे में बताया कि इसका रंग बैंगनी होता है, जो एंटीऑक्सिडेंट से भरपूर होता है और शरीर की सूजन कम करने में सहायक होता है। यह डायबिटीज के मरीजों के लिए भी लाभकारी माना जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. सोलंकी ने बताया कि बिहार में आलू उत्पादन के क्षेत्र में नालंदा अग्रणी जिला है, लेकिन राज्य अब भी उन्नत किस्मों के रोग मुक्त बीजों की कमी के कारण उत्पादन में पिछड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि नालंदा उद्यान महाविद्यालय किसानों को विषाणु मुक्त बीज उत्पादन में सहायता कर रहा है और समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा वित्तपोषित एरोपोनिक यूनिट की स्थापना नालंदा उद्यान महाविद्यालय परिसर में की गई है। इसका उद्देश्य मिनी ट्यूबर बीज उत्पादन कर किसानों तक पहुंचाना और राज्य में आलू उत्पादन को बढ़ावा देना है। कार्यशाला के दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने आलू की फसलों में लगने वाले विभिन्न रोगों और उनके निदान के उपायों की जानकारी भी किसानों को दी। इस अवसर पर डॉ. पापिया विश्वास, डॉ. एपी सिंह, डॉ. सीएस आजाद, डॉ. सरदार सुनील सिंह, डॉ. आरके शर्मा, डॉ. अनुपम आदर्श, डॉ. नेहा रानी, डॉ. प्रवीण फातिमा, डॉ. अजीत कुमार और डॉ. आरबी रमण सहित कई कृषि वैज्ञानिक और किसान उपस्थित रहे।

एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने की रणनीति पर मंथन

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। नालंदा जिला अतिथि गृह में एनडीए प्रदेश कार्यक्रम संयोजक चंदन कुमार सिंह की अध्यक्षता में एनडीए घटक दलों की संयुक्त बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 16 फरवरी को नालंदा में होने वाले एनडीए जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। इस दौरान चंदन कुमार सिंह ने सभी कार्यकताओं से सम्मेलन में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए एनडीए के हर कार्यकर्ता को जी-जान से मेहनत करनी होगी। उन्होंने कार्यकताओं से आपसी समन्वय और संगठन की शक्ति को प्रदर्शित करने का आग्रह किया। बैठक में विधायक हरिनारायण सिंह, डॉ. सुनील कुमार, जितेंद्र कुमार, कृष्ण मुरारी शरण उर्फ प्रेम मुखिया, कौशल किशोर, राष्ट्रीय महासचिव इंजीनियर सुनील कुमार, पूर्व विधायक चंद्रसेन प्रसाद, पूर्व विधान पार्षद राजू यादव, हम (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) के राज्य संयोजक राकेश रंजन समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर प्रमंडलीय प्रभारी जितेंद्र पटेल ने कहा कि सम्मेलन की सफलता की जिम्मेदारी सभी एनडीए कार्यकताओं की है, और इसे मजबूती के साथ सफल बनाना आवश्यक है। बैठक में प्रदेश सचिव राजीव रंजन पटेल, जिला जदयू अध्यक्ष मो. अरशद, भाजपा अध्यक्ष ई. रविशंकर, लोजपा (रा) के अध्यक्ष सतेंद्र मुकुट, हम जिलाध्यक्ष संजू मालाकार, रालोसपा के सचिन कुशवाहा, जदयू नगर अध्यक्ष गुलरेज अंसारी, जदयू प्रवक्ता डॉ. धनंजय कुमार, उपाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह, विनय कुमार, अनिल कुमार, अनुप सिंह पटेल, रंजीत कुमार, बनारस प्रसाद सिन्हा, निशांत कुमार, संजय पासवान, अरविंद कुमार, भवानी सिंह, आशुतोष कुमार, रामेश्वर प्रसाद सहित दर्जनों एनडीए कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ब्रिलिएंट ग्रुप में आयोजित विदाई समारोह में झलकी भावनात्मक यादें और उज्ज्वल भविष्य के संकल्प

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। जिला मुख्यालय बिहारशरीफ के सुंदरगढ़ स्थित ब्रिलिएंट ग्रुप के विशाल सभागार में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर को यादगार बनाने के लिए नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को रोचक बना दिया। समारोह में दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने विद्यालय में बिताए अपने खट्टी-मीठी यादों को साझा किया और अपने भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। उन्होंने मंच पर आकर बताया कि वे आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर, बिजनेसमैन, चार्टर्ड अकाउंटेंट और प्रोफेसर बनने का सपना संजोए हुए हैं।

ब्रिलिएंट ग्रुप के डायरेक्टर डॉ. धनंजय कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विदाई समारोह केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संगम होता है, जहां विद्यार्थी अपने आगामी भविष्य के लिए प्रेरणा प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन अत्यंत मूल्यवान है और इसे व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। माता-पिता और शिक्षकों का आशीर्वाद लेकर वे अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हों।

विद्यालय के अध्यक्ष डॉ. शशि भूषण कुमार ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए सकारात्मकता ही सबसे महत्वपूर्ण साथी होती है, और यह समाज, परिवार और पर्यावरण के प्रति दायित्व निभाने की प्रेरणा भी देती है। इस अवसर पर नौवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिनमें नृत्य, नाटक, संगीत और हास्य प्रस्तुतियां शामिल थीं। इन प्रस्तुतियों ने समारोह में मौजूद सभी लोगों का मन मोह लिया।

समारोह के दौरान डायरेक्टर, चेयरमैन और प्राचार्य के हाथों दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों को विद्यालय प्रशासन की ओर से फाइल और पेन उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। कार्यक्रम का समापन राकेश सर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जबकि विद्यालय के वरिष्ठ अंग्रेजी शिक्षक मिथिलेश सर ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद दिया।

समारोह में विद्यालय के शिक्षक रंजय सिंह, किशोर कुमार पांडे, एस.के. पांडे, अमित कुमार, राज किशोर सिंह, एस.के. गांगुली, नाजिया खान, अर्पणा मैडम, दुरक्षा मैडम और हिना मैडम उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

सड़क दुर्घटना में किशोर की मौत

जहानाबाद। जिले के कल्पा थाना क्षेत्र और टाली बाजार के बीच एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें 12 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। मृतक की पहचान काजीपुर टाली निवासी के रूप में हुई है। इस घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोग सड़क सुरक्षा को लेकर चिंता जता रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, किशोर एक साइकिल पर सवार होकर अपने गांव की ओर जा रहा था। जैसे ही साइकिल एक रोड ब्रेकर के पास पहुंचा, संतुलन बिगड़ने के कारण वह नीचे गिर गया। इसी दौरान एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन वहां से गुजरा और किशोर को कुचलते हुए निकल गया। हादसा इतना भयावह था कि वहां मौजूद लोग भी सहम गए। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने तुरंत घायल किशोर को उठाया और जहानाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। किशोर की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं गांव में मातम पसरा हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। फिलहाल, दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन और चालक का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। इस हादसे के बाद इलाके के लोगों में आक्रोश है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा को लेकर कड़े कदम उठाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि सड़क पर बने ब्रेकर बिना किसी संकेतक के हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। सड़क पर स्पीड ब्रेकर का सही निर्माण हो और तेज रफ्तार वाहनों पर सख्ती की जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। वहीं, पुलिस ने भी लोगों से सड़क पर सतर्क रहने और यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है।

इवांश सिन्हा का जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ संपन्न, पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बिहारशरीफ(नवशक्ति)। भारतीय स्वतंत्र शिक्षण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष भारत मानस तथा संरक्षिका रेखा भारती के सुपौत्र इवांश सिन्हा का जन्मोत्सव उनके पैतृक गांव जयशिव बिगहा में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर पूरा परिवार एवं सगे-संबंधी धार्मिक हर्षोल्लास के साथ इस विशेष दिन का साक्षी बने। जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर इवांश सिन्हा के पिता सिन्हा साहब और माता ईभा सुहानी ने विधिपूर्वक धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इसके उपरांत परिवार के सदस्यों एवं अतिथियों ने नन्हे इवांश को शुभाशीष प्रदान किया और उसकी दीघार्यु एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर प्रख्यात शिक्षाविद् डॉ. शिव कुमार प्रसाद सिन्हा सहित कई निजी विद्यालयों के संचालक एवं उनके परिवारजन कार्यक्रम में शामिल हुए। सभी ने इवांश को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उसके स्वस्थ

एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। भारत मानस ने इस शुभ अवसर पर कहा कि उनके पुत्र सिन्हा साहब के जन्मदिन पर डेढ़ बीघा भूमि में जो पौधा लगाया गया था, वह अब एक विशाल वृक्ष बन चुका है। उसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने अपने सुपौत्र इवांश सिन्हा के जन्मदिन पर भी पौधारोपण किया। उन्होंने समाज को संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने या अपने प्रियजनों के जन्मदिन पर अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिए, जिससे पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने इवांश सिन्हा के जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए केक काटा और बच्चों के लिए विशेष मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बच्चों एवं परिवार के सदस्यों ने विभिन्न खेलों में भाग लिया, जिससे माहौल उल्लासमय हो गया। कार्यक्रम के अंत में भारत मानस एवं उनके परिवार ने सभी आगंतुकों का आभार प्रकट किया और उन्हें पर्यावरण संरक्षण के इस संकल्प में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुटी 'आशा पार्टी', 16 फरवरी को कार्यकर्ता सम्मेलन

बिहारशरीफ (नवशक्ति)। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए 'आप सब की आवाज आशा पार्टी' ने अपनी रणनीतिक तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को बिहारशरीफ के कांटा पर मोहल्ले में स्थित एक निजी सभागार में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव प्रियदर्शी अशोक की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 फरवरी को सोगरा कॉलेज मैदान में एक भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य पार्टी संगठन को मजबूत करना और आगामी चुनाव के लिए रणनीति तैयार करना है। बैठक में बताया गया कि इस कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह भी शामिल होंगे और कार्यकताओं को संबोधित करेंगे।

पार्टी नेताओं ने सम्मेलन को सफल बनाने के लिए कार्यकताओं को पूरी प्रतिबद्धता से जुटने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा और इससे पार्टी की संगठनात्मक क्षमता को और मजबूती मिलेगी।बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति रही, जिनमें उपाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा, प्रदेश महासचिव गौतम कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कुमार, प्रदेश सचिव विनय कुमार, जिला अध्यक्ष (नारी शक्ति प्रकोष्ठ) प्रगति आनंद, जिलाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह, प्रदेश महासचिव मुकेश कुमार, महासचिव सनी कुमार, रवीना खातून, अंजू कुमारी और उपाध्यक्ष सुलेखा कुमारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

पार्टी नेताओं ने कार्यकताओं से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की।

जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन मेला का किया गया आयोजन

जहानाबाद। श्रम संसाधन विभाग के तत्वाधान में नियोजन - सह- व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम स्कीम अंतर्गत जिला स्तरीय एक दिवसीय नियोजन मेला का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ आकृति कुमारी जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा स्वागत भाषण देकर किया गया। मेला का उद्घाटन संयुक्त रूप से श्री सतीश कुमार, माननीय विधायक (मखदुमपुर), श्री ब्रजेश कुमार, अपर समाहर्त्ता, श्री मृत्युंजय कुमार झा, श्रम अधीक्षक जहानाबाद द्वारा दीप प्रज्वलीत कर किया गया। इसके पश्चात श्री सतीश कुमार माननीय विधायक द्वारा बताया गया कि श्रम संसाधन विभाग युवाओं को रोजगार एवं मार्गदर्शन दिलानें के कार्य में अग्रसर है। देश में व्याप्त बेरोजगारी पर चिंता व्यक्त करते हुए माननीय विधायक ने यह भी बताया कि युवा केवल सरकारी नौकरी के पीछे न भागकर निजी क्षेत्र में उत्पन्न हो रही नौकरियों के अवसर को भी एक मौका दें। रोजगार प्राप्त करने का कार्य केवल तन्ख्वाह लेना नहीं परंतु अनुभव प्राप्त करना भी होता है, इस बात पर जोर डालते हुए उन्होने मेले में उपस्थित अभ्यथीर्यों को मार्गदर्शन प्रदान किया। इसके अतिरिक्त कुशल / अकुशल मजदूरों को श्रम पक्ष द्वारा प्राप्त कराए जाने वाले दुर्घटना अनुदान योजना, विवाह सहायता योजना ईत्यादि के बारे में भी जागरूक किया। अपर समाहर्ता श्री ब्रजेश कुमार ने भी

मेले में मौजुद युवा अभ्यथीर्यों को शुभकामना देते हुए अपनी योग्यतानुसार आवेदन देने के लिए बढावा दिया। साथ ही माननीय विधायक सतीश कुमार एवं अपर समाहर्त्ता श्री ब्रजेश कुमार के द्वारा श्रम संसाधन विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं टूल किट एवं स्टडी किट के लाभार्थियों को किट वितरण, केवाईपी ट्रेनिंग पूरा कर चुके अभ्यर्थियों को केवाईपी सर्टिफिकेट, दुर्घटना अनुदान योजना के अंतर्गत डमी चेक इत्यादि का वितरण भी किया गया।

इस नियोजन मेले में अलग-अलग क्षेत्र के 17 नियोजकों द्वारा भाग लिया गया जिसमें 1195 बायोडाटा प्राप्त हुआ। प्राप्त बायोडाटा से कुल 391 युवाओं का औपबंधित चयन किया गया, जिसमें 42 अभ्यर्थियों का ऑफर लेटर दिया गया। साथ ही विभागीय स्टॉल यथा डीआरसीसी, जीएम-डीआईसी, आईआईटी, पीएनबी, एवं श्रम विभाग द्वारा कुल 333 लाभुकों का मार्गदर्शन किया गया, इस प्रकार इस नियोजन मेला में कुल 2089 युवाओं ने भाग लिया एवं नियोजन के इस अवसर का लाभ उठाया। इस नियोजन मेला के सफल आयोजन में श्री संतोष कुमार जिला कौशल प्रबंधक, श्री नवीन कुमार जिला कौशल विशेषज्ञ, श्रीमती आरती देवी निम्नवर्गीय लिपिक, श्री अजीत कुमार, डाटा इन्ट्री ऑपरेटर, श्री रंजीत कुमार कार्यालय परिचारी एवं श्री रामबाबु सहित कार्यालय के सभी कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिला नियोजन पदाधिकारी द्वारा अंत में इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

नव शक्ति समाचार पत्र मैं प्रकाशित सामग्री को मौलिक समझकर छापा जाता है। अतः कॉपीराइट संबंधी कोई कार्रवाई संपादक, प्रकाशन एवं मुद्रक पर नहीं की जा सकती है। दावा करने वाले रचनाकार और चित्रकार से संपर्क करें। समस्त विवादों का निपटारा पटना उच्च न्यायालय क्षेत्रान्तर्गत होगा।
प्रधान कार्यालयः कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़ पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना-800023 संपादक प्रकाशक - मुद्रक एवं स्वामीः जयप्रकाश चौधरी, कृष्णा मार्केट, पहला तल्ला, निकट हड़ताली मोड़, पश्चिमी बोरिंग कैनाल रोड, पटना द्वारा एसेन कम्प्यूटर, डा.एनी बेसेन्ट रोड, पटना-4 से मुर्दित। सम्पर्क नम्बरः 9473032029, 9939472461 ईमेल- navshakti2010@gmail.com RNI-BIHHIN/2012/43368

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने महाकुंभ में त्रिवेणी संगम पर लगाई आस्था की डुबकी

भाजपा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र और प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया ने किया प्रयागराज में पवित्र स्नान

पटना। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल ने अपने स्वजनों के साथ उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के महाकुंभ में पवित्र स्नान किया और पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से किए गए उत्तम प्रबंधन के लिए योगी सरकार को धन्यवाद दिया।प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल अपने परिजनों के साथ आस्था और संस्कृति के संगम प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम पर आज माघी पूर्णिमा के पुनीत अवसर पर आस्था एवं पुण्य का स्नान किया और पूजा अर्चना की। इस क्रम में उन्होंने कई साधु-संतों के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया।

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी और संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया,प्रवक्ता अरविंद सिंह भी आज महाकुंभ पहुँचे और संगम में पवित्र स्नान किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बेहतर प्रबंधन का परिणाम प्रयागराज में दिख रहा है। बिहार से बड़ी संख्या में श्रद्धालु महाकुंभ जा रहे हैं और पवित्र स्नान कर पुण्य की प्राप्ति कर रहे हैं।

स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने किया महाकुंभ स्नान

पटना। बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री श्री मंगल पांडेय ने प्रयागराज के महाकुंभ में गंगा स्नान किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति।नर्मदे सिन्धु कावेरि जलेऽस्मिन्सन्निधिं कुरु॥ आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति के अद्भुत संगम प्रयागराज महाकुंभ में आज माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिवेणी संगम में सपरिवार पवित्र स्नान का सौभाग्य प्राप्त हुआ।इस दिव्य अनुभव को शब्दों में समेटना संभव नहीं–जहाँ गंगा की लहरों में मोक्ष की अनुभूति, संगम की रेती पर अध्यात्म का स्पंदन और भक्ति में लीन असंख्य श्रद्धालुओं का महासागर है।

आरा मिल मालिकों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित

पटना। डॉ० प्रेम कुमार, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, बिहार सरकार की अध्यक्षता में अनुज्ञप्तिधारी आरा मिल मालिकों के साथ संवाद कार्यक्रम दिनांक-11.02.2025 को अरण्य भवन, पटना के संजय सभागार में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यालय स्थित वरीय पदाधिकारी एवं विभिन्न जिलों के अनुज्ञप्ति प्राप्त आरा मिल मालिकों द्वारा भाग लिया गया।आरा मिल मालिकों को अनुज्ञप्ति प्रदान करने संबंधी अद्यतन की गयी कार्रवाई के संबंध में अवगत कराया गया एवं उनसे इस संबंध में अपना विचार रखने का अनुरोध किया गया। आरा मिल मालिकों द्वारा मुख्यतः निम्न सुझाव / कठिनाईयों से अवगत कराया गया।

आरा मिल मालिकों द्वारा बताया गया कि स्थल परिवर्तन संबंधित राज्य सरकार के निर्णय के बावजूद स्थल परिवर्तन के मामलें में अनावश्यक विलंब किया जा रहा है। उदाहरण स्वरूप जमुई, बांका एवं मिथिला वन प्रमण्डल के कार्यालय में लंबित आवेदन का जिक्र किया गया।

आरा मिल के क्षमता विस्तार हेतु अनुज्ञप्ति में अंकित बैंड सौ के अतिरिक्त ट्रौली स्थापित करने की अनुमति नहीं दिये जाने के संबंध में बताया गया एवं अनुरोध किया गया कि नये अधिनियम में इसका प्रावधान किया जाय।

परिवहन अनुज्ञापत्र से मुक्त 27 प्रजातियों की लकड़ियों का राज्य में परिवहन के दौरान पुलिस द्वारा जबरदस्ती गाड़ी रोकने एवं अवैध वसूली का मामला उठाया गया। अनुरोध किया गया कि विभागीय स्तर से सभी जिला के आरक्षी अधीक्षकों को परिवहन अनुज्ञापत्र से मुक्त 27 प्रजातियों की सूची उपलब्ध कराकर संबंधित थाना को निर्देश दिलाया जाय।

परिवहन अनुज्ञापत्र से मुक्त 27 प्रजातियों की लकड़ियों के अतिरिक्त अन्य काष्ठ प्रजातियों यथा-शीशम, सागवान, कटहल, महोगनी इत्यादि को जोड़ने का अनुरोध किया गया है।

अन्य राज्यों से परिवहन अनुज्ञापत्र से मुक्त प्रजाति की लकड़ियाँ, जो बिहार राज्य में परिवहन अनुज्ञापत्र से मुक्त नहीं है, उनका बिहार राज्य में परिवहन हेतु राज्य की सीमा पर अनुज्ञापत्र प्राप्त करने का कोई प्रावधान नहीं है। जिसके कारण ऐसी लकड़ियों के परिवहन में कठिनाई हो रही है। इस संबंध में विचार करने का अनुरोध किया गया है। वन प्रमण्डल पदाधिकारी के स्तर से परिवहन अनुज्ञापत्र देने की प्रक्रिया काफी जटिल है एवं निर्गत किये जाने वाले अनुज्ञापत्र में अंकित यह केवल बिहार राज्य के लिये वैध है जो तर्कसंगत नहीं है।

जमुई मे देवघर-वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज करने किया आग्रह

जमुई। जमुई सांसद सह प्रदेश संगठन प्रभारी श्री अरूण भारती ने अपने लोकसभा क्षेत्र जमुई मे देवघर-वाराणसी वन्दे भारत एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉपेज झाझा स्टेशन पर करवाने के लिए रेलमंत्री जी को पत्र भेजकर को आग्रह किये। सांसद अरुण भारती ने अपने पत्र में लिखा था कि झाझा में लाखों की आबादी निवास करती है, तथा यह नगर परिषद के अन्तर्गत है। बाहर से पर्यटक यहाँ हजारो की संख्या में पहुंचते है। यहाँ का प्रसिद्ध स्थान नागी डैम, पर्मनिया डैम, नकटी डैम, ढिवी नदी परासी है। वन्दे भारत ट्रेन का स्टॉपेज होने से यहाँ के स्थानीय लोगो को तथा बाहर के पर्यटकों को भी फायदा मिलेगा तथा रेलवे को रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी होगी। इसे गंभीरता से लेते हुए रेलमंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने जमुई सांसद अरूण भारती को पत्र से सूचित किया है कि झाझा रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस का ठहराव कराने के लिए रेलवे बोर्ड के संबंधित निदेशालय को निर्देश दे दिया गया है। अब बहुत जल्द ही ठहराव की घोषणा होगी। इस आशय की जानकारी पार्टी प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार ने दी।

हेमंत सरकार केंद्र की बड़ी योजनाओं को धरातल पर उतारने के प्रति उदासीन: प्रतुल शाह देव

रांची। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने राज्य सरकार पर केंद्र की योजनाओं को धरातल में उतारने के प्रति उदासीन होने बड़ा आरोप लगाया। प्रतुल ने कहा कि दिखावा के लिए मुख्यमंत्री और राज्य वित्त मंत्री केंद्रीय मंत्रियों को मांग पत्र सौंपते हैं। लेकिन पहले से चल रही केंद्रीय योजनाओं का राज्य में बुरा हाल है। प्रतुल ने कहा कि सर्वप्रथम मनरेगा में केंद्र सरकार के हिस्सेदारी के पैसे का यूटिलिटी सर्टिफिकेट राज्य ने नहीं सौंपा। जिसके कारण लंबे समय तक केंद्र के अंशदान पर ग्रहण लग गया था। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना में भी केंद्र और राज्य का संयुक्त योगदान होता है। केंद्र ने इस योजना में जो पैसा दिया उसका राज्य सरकार ने फिर से समय पर यूटिलिटी सर्टिफिकेट नहीं दिया। जिसके कारण प्रधानमंत्री आवास योजना में भी झारखंड काफी नीचे के पायदान पर है। प्रतुल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना आयुष्मान योजना में केंद्र से अंशदान मिल जाने के बावजूद राज्य सरकार ने अनेक निजी अस्पतालों को समय पर भुगतान नहीं किया था। जिसके कारण सैकड़ों निजी अस्पतालों ने आयुष्मान कार्ड के बदौलत मरीजों का दाखिला लेना बंद कर दिया।प्रतुल ने कहा कि हर घर में नल से जल योजना का झारखंड में हेमंत सरकार ने बुरा हाल कर दिया।इस योजना में एक समय झारखंड नीचे से एक पायदान ऊपर था। आज भी राज्य के 28 लाख घरों में नल से जल नहीं पहुंच पाया है। केंद्र की यह स्कीम भी भ्रष्टाचार के आरोप में चढ़ गई थी और तत्कालीन मंत्री के करीबियों सहित अनेक लोगों के यहां छापा पड़ा था। प्रतुल ने कहा कि केंद्र सरकार राज्य को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। परंतु राज्य सरकार केंद्र के पैसे का हिसाब नहीं देती। जिसके कारण पूरा मामला खटाई में फंस जाता है।प्रतुल ने मुख्यमंत्री से अपील की कि वह केंद्र के पैसे का सदुपयोग करें। क्योंकि प्रधानमंत्री जी, अमित शाह जी, नितिन गडकरी जी समेत कई मंत्रियों ने अनेक बार कहा है कि वह राज्यों को पैसे की कमी नहीं होने देंगे बशर्ते नियम कानून का पालन हो।

सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने झारखंड के शिक्षक डॉ सपन कुमार को किया सम्मानित

दुमका / प्रियव्रत झा। झारखंड प्रदेश के दुमका जिला के शिक्षक डॉ सपन कुमार को ज्ञान महाकुंभ सम्मेलन में सम्मानित किया गया ।शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित भारतीय शिक्षा राष्ट्रीय संकल्पना विषय पर देश भर के उत्कृष्ट आचार्य का राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन प्रयागराज महाकुंभ मेला क्षेत्र के सेक्टर 8 में किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड के शिक्षक डॉ सपन कुमार को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया । एक राष्ट्र एक नाम, हरित महाकुंभ एवं भारतीय शिक्षा पर कई कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारतीय शिक्षा सम्मेलन में बिहार के प्रसिद्ध सुपर 30 के निदेशक आनंद कुमार ,शिक्षा संस्कृति उत्थान के सचिव अतुल कोठारी ,दिल्ली के शिक्षाविद अनीता शर्मा, नीति आयोग के शशांक सहित कई राज्यों के शिक्षा सचिव ,कुलपति , कुलसचिव, एवं

शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया। डॉ सपन कुमार (पत्रलेख)ने कहा कि महाकुंभ के पवित्र स्थल में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन होना देश के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रीय सम्मेलन में देश स्तर के शिक्षाविदों ,नीति आयोग के उच्च अधिकारी एवं सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार जी के साथ के समक्ष अपनी बातों को रखना बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि गरीबों को समाप्त करने का सबसे बड़ा हथियार शिक्षा है ।शिक्षा ही ऐसा हथियार है जिससे हर क्षेत्र की समस्या का निदान किया जा सकता है। महाकुंभ में एक और जहां भक्ति की अविरल धारा बह रही है वहीं इसी महाकुंभ में ज्ञान महाकुंभ का आयोजन देश की शिक्षा को नई दिशा देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं है। आत्मनिर्भर भारत के लिए शिक्षा में भी कौशल विकास की शिक्षा आवश्यक है । देश के सुदूर क्षेत्र में शिक्षा से वंचित लोगों तक शिक्षा पहुंचना अति आवश्यक है। इसके लिए भारत सरकार एवं राज्य सरकार काफी प्रयास कर रही है। इस कार्य में शिक्षाविदो की भूमिका काफी अहम है जो स्थानीय स्तर पर मौजूद संसाधन से लोगों को स्किल डेवलपमेंट के साथ शिक्षा पहुंचाएं। डॉ सपन ने झारखंड के आदिवासी बहुत क्षेत्र दुमका के गांव का उदाहरण देते हुए कहा कि कोविड जैसे कठिन परिस्थिति में भी स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधन का प्रयोग करते हुए ब्लैकबोर्ड मॉडल से उन्होंने शिक्षा जारी रखी थी जिसका लाभ आज भी गांव के असाक्षर लोगों को शिक्षित करने में किया जा रहा है।

सुपर 30 के संस्थापक आनंद कुमार ने डॉ सपन के प्रयास की काफी सराहना की और उन्होंने कहा कि सपन के ब्लैकबोर्ड मॉडल को पढ़ा था एवं सोशल मीडिया में देखा था आज हुए स्वयं मिलकर काफी खुश है ।

पीडीएस डीलर के अनिश्चित कालीन आमरण अनशन का 23वे दिन भी जारी रहा

पटना। जन वितरण विक्रेता अपनी लंबित मांग को लेकर पटना के गर्दनीबाग में आज 22वां दिन भी अंबिका यादव ने आमरण अनशन जारी रखा। वहीं फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के प्रदेश महामंत्री दयानंद प्रसाद,वरुण सिंह,देवेंद्र सिंह ने संयुक्त ब्यान जारी कर बताया कि अनशनकारी के समर्थन में फेयर प्राइस डीलर एसोसिएशन के सभी गुट एवं जन वितरण दुकानदार संघ के आवाह्न पर बिहार के तमाम जन वितरण विक्रेता 11वा दिन भी हड़ताल पर रहा। हड़ताल के 11वे दिन भी पूर्ण सफल रहा। उन्होंने कहा कि जब तक अनशन तब तक हड़ताल जारी रहेगा।

जन वितरण विक्रेता की लंबित मांग

एसएफसी गोदाम से विक्रेता के गोदाम तक बैग के वजन के साथ अनाज का पूर्ण वजन मिलना चाहिए। साथ ही हैंडलिंग लॉस की व्यवस्था हो।

अनुकंपा में उम्र सीमा समाप्त करना।

सरकार द्वारा जन वितरण विक्रेताओं को दुकान संचालक करने के कार्य के लिए कम से कम 30000 प्रति माह मानदेय दिया जाए, जन वितरण विक्रेता के द्वारा केंद्र के संचालन के लिए दुकान का किराया और दुकान से जुड़ी स्टेशनरी और बाकी व्यवस्थाओं से जुड़ी वस्तुओं के लिए सरकार द्वारा एक उचित राशि प्रदान की जाए।

पोस मशीन से जुड़ी किसी भी समस्या या मरम्मत के लिए विक्रेता को राशि मुहैया किया जाए प्रमुख मांग है। धरना स्थल पर घनश्याम प्रसाद , शशि कांत रंजीत कुमार सहित सैकड़ों की संख्या में विक्रेता सरकार विरोधी नारे लगाए।

मनाया जाएगा जिला स्थापना दिवस समारोह: जिलाधिकारी

जमुई, नवशक्ति, प्रभाकर कुमार। जिला का स्थापना दिवस 21 फरवरी को मनाया जाएगा। जिला पदाधिकारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा के निदेश के आलोक में अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित संवाद कक्ष में जिला स्थापना दिवस समारोह की तैयारियों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में जिला स्थापना दिवस समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला पदाधिकारी महोदया के निदेशानुसार अपर समाहर्ता ने कहा कि विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी यह महोत्सव हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि 21 फरवरी 2025 को जिला स्थापना दिवस का मुख्य कार्यक्रम श्री कृष्ण सिंह स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नगर परिषद, को निर्देश दिया कि स्थापना दिवस समारोह से पहले पूरे शहर की साफ-सफाई की जाए। विशेष रूप से समाहरणालय परिसर को स्वच्छ एवं आकर्षक

बनाने के निर्देश दिए गए। जिससे पूरे शहर में स्थापना दिवस का उत्साह दिखाई दे।

स्थापना दिवस समारोह के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें रंगोली प्रतियोगिता, खेलकूद प्रतियोगिताएं और अन्य मनोरंजक गतिविधियां शामिल होंगी। इन कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों और विद्यालयों के छात्रों को भी भाग लेने का अवसर मिलेगा। समारोह के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां लोगों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं की जानकारी दी जाएगी।बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जाएं, ताकि यह कार्यक्रम जिलेवासियों के लिए यादगार बन सके। जिला स्थापना दिवस समारोह जिले के गौरवशाली इतिहास को दशार्ने के साथ-साथ विकास की दिशा में नए कदम उठाने का अवसर प्रदान करेगा। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे इस महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे सफल बनाएं। बैठक में जिले स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आप सबकी आवाज (आसा) का भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन संपन्न

पटना। चेनारी विधानसभा में आप सबकी आवाज (आसा) का भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन मालदहा शिवसागर,रोहतास में आयोजित किया गया, जिसमें हजारों कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गुड्डू ओझा प्रखण्ड अध्यक्ष ने की, जबकि संचालन सुनील रजक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह चेनारी विधानसभा प्रभावी एवं भावी विधानसभा प्रत्याशी ने किया। इस अवसर पर भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं आसा के संस्थापक अध्यक्ष माननीय रामचंद्र प्रसाद सिंह (आर. सी. पी. सिंह) मुख्य अतिथि एवं उद्घाटनकर्ता के रूप में उपस्थित रहे। संचालन करते हुए सुनील रजक ने कहा कि सरकार इकबाल खत्म हो चुका है, प्रशासनिक तंत्र विफल हो गया है और सभी विभाग मनमानी कर रहे हैं। उन्होंने राजनीतिक इतिहास का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे जनसंघ से भाजपा बनी, जनता दल से जनता दल (जॉर्ज), फिर समता पार्टी और अंत में जदयू बनी, वैसे ही जदयू के समाप्त होने पर बिहार में आसा सत्ता में आएगी और खुशहाल बिहार की नींव रखेगी। उन्होंने कार्यकताओं को याद दिलाया कि जब वे आईएएस अधिकारी थे, तब उनके प्रशासनिक नेतृत्व में बिहार ने कुशासन से सुशासन की ओर कदम बढ़ाया था, और जब उन्होंने 2010 में पार्टी का नेतृत्व किया, तो संगठन को बूथ स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक मजबूती दी थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ₹आसा₹ भले ही एक नई पार्टी हो, लेकिन इसका नेतृत्व अनुभवी और प्रशासनिक क्षमता में निपुण है, जो 2025 में सत्ता में भागीदार बनेगी।

इस अवसर पर रवि रंजन सिंह राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री अवैध कब्जे में आ चुके हैं, और जब तक आर. सी. पी. सिंह सरकार में थे, तब तक बिहार निरंतर प्रगति कर रहा था। लेकिन साजिशन उन्हें सत्ता से दूर कर दिया गया क्योंकि उन्होंने दलितों और पिछड़ों को सत्ता में भागीदारी देना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि आर. सी. पी. सिंह ने प्रशासनिक सेवा और विधायिका दोनों में उल्लेखनीय योगदान दिया है, जिससे बिहार और देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है। अब उनके नेतृत्व में ₹आसा₹ बिहार को खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि माननीय आर. सी. पी. सिंह ने कहा कि हम किसी व्यक्ति के विरोधी नहीं उन नीतियों के विरोधी जो समस्याओं को पैदा कर रही है सभी परिवारों को खुशहाल बनाने, किसानों और युवाओं की पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने तथा सभी को समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बिहार की बेटियों ने तलवारबाजी की ईपी टीम स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

पटना। 10 से 14 फरवरी तक पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर स्टेडियम में आयोजित 68 वीं नेशनल स्कूल फेंसिंग (अंडर 19 बॉयज एंड गर्ल्स) प्रतियोगिता के दूसरे दिन भी देश 20 राज्यों से आये तलवारबाजी के खिलाड़ियों का जलवा कायम रहा। आज के विजेता खिलाडियों को, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक सह सचिव रविंद्र नाथ चौधरी ने स्कूल गेम्स फेडरेशन के फील्ड ऑफिसर डी के धुर्वे तथा अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थित में ,मेडल देकर प्रोत्साहित किया। आज दूसरे दिन के परिणाम इस प्रकार रहे :-बिहार की बेटियों ने तलवारबाजी की ईपी टीम स्पर्धा में जीता कांस्य पदकप्रतियोगिता के दूसरे दिन बालक वर्ग में तलवारबाजी की सेबर एकल स्पर्धा में जम्मू और कश्मीर के धनंजय पण्डित ने स्वर्ण पदक, जम्मू और कश्मीर के अमीश शर्मा ने रजत पदक तथा हरियाणा के रोनित और दिल्ली के दक्ष ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं बालिका वर्ग में तलवारबाजी की ईपी टीम स्पर्धा में हरियाणा ने स्वर्ण पदक, पंजाब ने रजत पदक तथा बिहार और चंडीगढ़ ने कांस्य पदक हासिल किया। बालिका वर्ग के फॉयल टीम स्पर्धा में चंडीगढ़ ने स्वर्ण पदक, हरियाणा ने रजत पदक और पंजाब एवं गुजरात ने कांस्य पदक हासिल किया।

संभावित टीबी मरीजों की पहचान के लिए जिले में उपलब्ध हुआ सी-वाई स्किन टेस्ट इंजेक्शन

पूर्णिया। टीबी ग्रसित होने वाले मरीजों की ग्रसित होने से पहले जांच करते हुए टीबी कीटाणु ग्रसित पाए जाने पर तत्काल चिकित्सकीय सहायता प्रदान करते हुए संभावित लाभार्थियों को जीवनभर टीबी ग्रसित होने से सुरक्षित किया जा सकता है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में सी-वाई स्किन टेस्ट इंजेक्शन उपलब्ध कराई गई है। सी-वाई स्किन टेस्ट इंजेक्शन का उपयोग करते हुए संभावित टीबी ग्रसित मरीजों की पहचान के लिए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी प्रखंड के टीबी सुपरवाइजर, एसटीएलएस, एसटीएस के साथ साथ समुदाय स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत सीएचओ, जीएनएम, एएनएम और प्रखंड स्वास्थ्य कर्मियों को एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। सी-वाई स्किन टेस्ट उपयोग के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों को प्रशिक्षित करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 02 अलग अलग बैच के माध्यम से सोमवार और मंगलवार को राजकीय चिकित्सिका महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) पूर्णिया के एएनएम स्कूल में सभी स्वास्थ्य कर्मियों को स्वास्थ्य अधिकारी और विशेषज्ञ द्वारा एकदिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया ने बताया कि वर्तमान समय में हिंदुस्तान की एक तिहाई जनसंख्या टीबी बीमारी से ग्रसित पाए जा रहे हैं। समय पर जांच और इलाज नहीं कराने के कारण हर साल भारत में 03 लाख 15 हजार मरीज टीबी ग्रसित होने के कारण मृत्यु का शिकार हो रहे हैं। टीबी ग्रसित होने वाले मरीजों की पहले से पहचान करते हुए लाभार्थियों को पहले से सुरक्षा किट्स उपलब्ध कराते हुए टीबी ग्रसित होने से सुरक्षित करने के

लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सी-वाई स्किन टेस्ट इंजेक्शन की शुरूआत की गई है। इसका उपयोग कर टीबी ग्रसित मरीजों के परिजनों और नजदीकी रिश्तेदारों के टीबी ग्रसित होने की शुरूआती समय में ही जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस दौरान लाभार्थियों के शरीर में टीबी कीटाणु उपलब्ध होने की पहचान होने पर संबंधित लाभार्थियों को आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी जिससे कि संबंधित व्यक्ति भविष्य में कभी भी टीबी ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकेंगे। संभावित टीबी मरीजों की जांच और उपचार के लिए आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सिविल सर्जन डॉ प्रमोद कुमार कनौजिया के साथ जिला संचारी रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ कृष्ण मोहन दास, जिला टीबी उन्मूलन पदाधिकारी डॉ दिनेश कुमार, एआरटी सेंटर चिकित्सिका पदाधिकारी डॉ सौरभ कुमार, डीपीएस राजेश कुमार शर्मा, डब्लूएचओ टीबी कंसल्टेंट डॉ नाजिर अश्फाक भट्ट, माय लैब डिस्कवरी प्रोजेक्ट मैनेजर रवि शंकर, टीबी वर्ल्ड हेल्थ प्रोग्राम समन्यवक चंदन कुमार, केएचपीटी जिला लीड अरुणेंदु कुमार झा और सभी प्रखंड के टीबी सुपरवाइजर, एसटीएलस, एसटीएस, हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर के सीएचओ, जीएनएम, एएनएम और प्रखंड स्वास्थ्य केन्द्र के नर्स उपस्थित रहे।

जिला संचारी रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ कृष्ण मोहन दास ने बताया कि टीबी ग्रसित मरीजों के संपर्क में रहने वाले परिजनों और आसपास के सहयोगियों को भी टीबी ग्रसित होने की संभावना हो जाती है। इसके लिए टीबी ग्रसित मरीजों द्वारा उनके परिजनों के शरीर में भी टीबी के कीटाणु पहुँच जाते हैं जिसकी पहचान संबंधित व्यक्ति को बहुत देर बाद होती है। इससे उन्हें भी टीबी ग्रसित होने की संभावना रहती है। अगर समय पर जांच और इलाज नहीं कराया गया तो संबंधित व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। टीबी ग्रसित मरीजों के परिजनों को भविष्य में टीबी ग्रसित होने की पहचान के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सी-वाई स्किन टेस्ट इंजेक्शन सुविधा की शुरूआत की गई है। सी-वाई स्किन टेस्ट करने से लाभार्थियों द्वारा भविष्य में टीबी ग्रसित होने की पहचान की जा सकती है। जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा कि उनके शरीर में टीबी का बैक्टीरिया उपलब्ध है की नहीं। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव होने पर संबंधित व्यक्ति भविष्य में टीबी ग्रसित हो सकते हैं। इससे संबंधित व्यक्ति को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक उपचार सुविधा तत्काल उपलब्ध कराई जाएगी जिसका लाभ उठाने से संबंधित लाभार्थी भविष्य में कभी भी टीबी ग्रसित होने से सुरक्षित रह सकेंगे।